डिजिटल फीडबैक तंत्र के माध्यम से निरंतर गुणवत्ता सुधार

जीआईईटी (ZIET) मैसूरु प्रशिक्षण कैलेंडर 2026-27 अपने मुख्य संचालन में एक मजबूत, डेटा-संचालित फीडबैक तंत्र को शामिल करके उच्च-प्रभाव वाले व्यावसायिक विकास को प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मानते हुए कि प्रभावी प्रशिक्षण शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित होना चाहिए, जीआईईटी ने प्रत्येक पूर्ण सत्र के लिए एक व्यवस्थित मूल्यांकन प्रक्रिया स्थापित की है। यह फीडबैक-संचालित संस्कृति यह सुनिश्चित करती है कि संगठन केवल पारंपरिक प्रशिक्षण मॉडल तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक कार्यशाला को एक प्रगतिशील शिक्षण अनुभव में बदल दे जो आधुनिक शैक्षिक मानकों और क्षेत्रीय अपेक्षाओं के अनुरूप हो।

इस निरंतर संवाद को सुगम बनाने के लिए, जीआईईटी प्रत्येक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या कार्यशाला के समापन के तुरंत बाद गूगल फॉर्म (Google Forms) के माध्यम से ऑनलाइन व्यापक फीडबैक एकत्र करता है। यह डिजिटल दृष्टिकोण सभी प्रतिभागियों के लिए आसान पहुंच और एक निर्बाध प्रतिक्रिया प्रक्रिया सुनिश्चित करता है, जिसमें स्नातकोत्तर शिक्षक (PGTs), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGTs), प्राथमिक शिक्षक (PRTs) और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं। इन मूल्यांकन फॉर्मों को सामग्री की प्रासंगिकता, शिक्षण प्रभावशीलता, संसाधन उपलब्धता और समग्र प्रबंधकीय निष्पादन के संबंध में मात्रात्मक रेटिंग और गुणात्मक अंतर्दृष्टि दोनों को पकड़ने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिससे प्रतिभागियों की संतुष्टि और सीखने के परिणामों का एक पारदर्शी और विस्तृत रिकॉर्ड तैयार होता है।

एकत्रित डेटा संस्थागत योजना के लिए एक आधारभूत संपत्ति के रूप में कार्य करता है, क्योंकि उत्पन्न अंतर्दृष्टि का सीधे विश्लेषण किया जाता है और आगामी सभी कार्यशालाओं के नियोजन और संशोधन के दौरान उन पर गंभीरता से विचार किया जाता है। रुझानों की समीक्षा करके, कौशल अंतराल की पहचान करके और प्रतिभागियों के सुझावों को संबोधित करके, जीआईईटी की शैक्षणिक और प्रशासनिक टीमें पाठ्यक्रम डिजाइन, प्रस्तुति प्रारूपों और शिक्षण रणनीतियों में वास्तविक समय में बदलाव कर सकती हैं। फीडबैक और कार्यान्वयन का यह निरंतर चक्र यह गारंटी देता है कि भविष्य का प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र उत्तरोत्तर बेहतर, अत्यधिक उद्देश्यपूर्ण और शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में प्रणालीगत क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से तैयार हो।